Col

Chapter 2

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

Θέλω	γὰρ	ὑμᾶς	εἰδέναι,	ἡλίκον	ἀγῶνα	ἔχω	ὑπὲρ	ὑμῶν,	καὶ
मैन-चहत-होओन	क्योनकि	तुमहेइन	जअनो	कितन	सनघरश	मैन-रखत-होओन	के-लिये	तुमहरे	और
G2309	G1063	G4771	G1492	G2245	G0073	G2192	G5228	G4771	G2532

τῶν	ἐν	Λαοδικείᾳ,	καὶ	ὅσοι	οὐχ	ἑόρακαν	τὸ	πρόσωπόν	μου,	ἐν
–के	मेइन	लओदिकेइअ	और	जितने	नहिन	उनहोने-देख	–को	चेहअ	मेर	मेइन
G3588	G1722	G2993	G2532	G3745	G3756	G3708	G3588	G4383	G1473	G1722

σαρκί,
मअनस
G4561

> मैं चाहता हूँ कि तुम्हें इस बात का पता चल जाये कि मैं तुम्हारे लिए, लौदीकिया के रहने वालों के लिए और उन सबके लिए जो निजी तौर पर मुझसे कभी नहीं मिले हैं, कितना कठोर परिश्रम कर रहा हूँ

2

ἵνα	παρακληθῶσιν	αἱ	καρδίαι	αὐτῶν,	συμβιβασθέντες	ἐν	ἀγάπῃ,	καὶ
कि	दिलस-पयेन	–हो	दिलोन	उनके	जुध-कर	मेइन	प्रेम	और
G2443	G3870	G3588	G2588	G0846	G4822	G1722	G0026	G2532

εἰς	πᾶν	πλοῦτος	τῆς	πληροφορίας	τῆς	συνέσεως;	εἰς	ἐπίγνωσιν	τοῦ
मेइन	सब	धनवन्त	–के	पुरन-निशचय	–के	समझ	मेइन	ग्यअन	–के
G1519	G3956	G4149	G3588	G4136	G3588	G4907	G1519	G1922	G3588

μυστηρίου	τοῦ	Θεοῦ --	Χριστοῦ;
रहस्य	–के	परमेशवर	खरिस्तोस
G3466	G3588	G2316	G5547

> ताकि उनके मन को प्रोत्साहन मिले और वे परस्पर प्रेम में बँध जायें। तथा विश्वास का वह सम्पूर्ण धन जो सच्चे ज्ञान से प्राप्त होता है, उन्हें मिल जाये तथा परमेश्वर का रहस्यपूर्ण सत्य उन्हें प्राप्त हो वह रहस्यपूर्ण सत्य स्वयं मसीह है।

3

ἐν	ᾧ	εἰσιν	πάντες	οἱ	θησαυροὶ	τῆς	σοφίας	καὶ	γνώσεως
मेइन	जिस-मेइन	हैन	सब	–हो	खज़अने	–के	बुदधि	और	ग्यअन
G1722	G3739	G1510	G3956	G3588	G2344	G3588	G4678	G2532	G1108

ἀπόκρυφοι.
छिपे
G0614

> जिसमें विवेक और ज्ञान की सारी निधियाँ छिपी हुई हैं।

4

Τοῦτο	λέγω	ἵνα	μηδεὶς	ὑμᾶς	παραλογίζηται	ἐν	πιθανολογίᾳ.
येह	मैन-कहत-होओन	कि	कोइ-न	तुमहेइन	भतकअये	मेइन	लुभअवनि-बअतोन-से
G3778	G3004	G2443	G3367	G4771	G3884	G1722	G4086

> ऐसा मैं इसलिए कह रहा हूँ कि कोई तुम्हें मीठी मीठी तर्कपूर्ण युक्तियों से धोखा न दे।

5

εἰ	γὰρ	καὶ	τῇ	σαρκὶ	ἄπειμι,	ἀλλὰ	τῷ	πνεύματι	σὺν	ὑμῖν
यदि	क्योनकि	भि	–मेइन	शरेएर	मैन-दोओर-होओन	परन्तु	–मेइन	अतम	के-सथ	तुमहरे
G1487	G1063	G2532	G3588	G4561	G0548	G0235	G3588	G4151	G4862	G4771

εἰμι,	χαίρων	καὶ	βλέπων	ὑμῶν	τὴν	τάξιν,	καὶ	τὸ	στερέωμα	τῆς
मैन-होओन	अनन्द-करत-हुअ	और	देखत-हुअ	तुमहरि	–को	व्यवस्थ	और	–को	द्रिधत	–के
G1510	G5463	G2532	G0991	G4771	G3588	G5010	G2532	G3588	G4733	G3588

εἰς	Χριστὸν	πίστεως	ὑμῶν.
मेइन	खरिस्तोस	विशवस	तुमहरे
G1519	G5547	G4102	G4771

> यद्यपि दैहिक रूप से मैं तुममें नहीं हूँ फिर भी आध्यात्मिक रूप से मैं तुम्हारे भीतर हूँ। मैं तुम्हारे जीवन के अनुशासन और मसीह में तुम्हारे विश्वास की दृढ़ता को देख कर प्रसन्न हूँ।

6

Ὡς	οὖν	παρελάβετε	τὸν	Χριστὸν	Ἰησοῦν	τὸν	Κύριον,	ἐν	αὐτῷ
जैस	इस्लिये	तुम-ने-ग्रहन-किय	–को	खरिस्तोस	येशु	–को	प्रभु	मेइन	उस-मेइन
G5613	G3767	G3880	G3588	G5547	G2424	G3588	G2962	G1722	G0846

περιπατεῖτε,
चलो
G4043

> इसलिए तुमने जैसे यीशु को मसीह और प्रभु के रूप में ग्रहण किया है, तुम उसमें वैसे ही बने रहो।

7

ἐρριζωμένοι	καὶ	ἐποικοδομούμενοι	ἐν	αὐτῷ,	καὶ	βεβαιούμενοι	τῇ	πίστει,
जध-किये-हुए	और	बनअये-जअते-हुए	मेइन	उस-मेइन	और	स्थिर-किये-जअते-हुए	–मेइन	विशवस
G4492	G2532	G2026	G1722	G0846	G2532	G0950	G3588	G4102

καθὼς	ἐδιδάχθητε,	περισσεύοντες	(ἐν	αὐτῇ)	ἐν	εὐχαριστίᾳ.
जैस	तुम-ने-सिख	बधते-हुए	मेइन	उस-मेइन	मेइन	धन्यवअद
G2531	G1321	G4052	G1722	G0846	G1722	G2169

> तुम्हारी जड़ें उसी में हों और तुम्हारा निर्माण उसी पर हो तथा तुम अपने विश्वास में दृढ़ता पाते रहो जैसा कि तुम्हें सिखाया गया है। परमेश्वर के प्रति अत्यधिक आभारी बनो।

8

Βλέπετε	μή	τις	ὑμᾶς	ἔσται,	ὁ	συλαγωγῶν	διὰ	τῆς	φιλοσοφίας	καὶ
देखो	न	कोइ	तुमहेइन	हो	–हो	बनध-बनअत	के-दवर	–के	दरशन-शअस्त्र	और
G0991	G3361	G5100	G4771	G1510	G3588	G4812	G1223	G3588	G5385	G2532

κενῆς	ἀπάτης,	κατὰ	τὴν	παράδοσιν	τῶν	ἀνθρώπων,	κατὰ	τὰ	στοιχεῖα
खोखे	धोखे	के-अनुसअर	–के	परम्पर	–के	मनुश्योन	के-अनुसअर	–को	तत्वोन
G2756	G0539	G2596	G3588	G3862	G3588	G0444	G2596	G3588	G4747

τοῦ	κόσμου,	καὶ	οὐ	κατὰ	Χριστόν.
–के	सनसर	और	नहिन	के-अनुसअर	खरिस्तोस
G3588	G2889	G2532	G3756	G2596	G5547

> ध्यान रखो कि तुम्हें अपने उन भौतिक विचारों और खोखले प्रपंच से कोई धोखा न दे जो मानवीय परम्परा से प्राप्त होते हैं, जो ब्रह्माण्ड को अनुशासित करने वाली आत्माओं की देन है, न कि मसीह की।

9

ὅτι	ἐν	αὐτῷ	κατοικεῖ	πᾶν	τὸ	πλήρωμα	τῆς	Θεότητος	σωματικῶς;
क्योनकि	मेइन	उस-मेइन	रहति-है	सब	–हो	पुरन्त	–के	देवत्व	शअरेएरिक-रोओप-से
G3754	G1722	G0846	G2730	G3956	G3588	G4138	G3588	G2320	G4985

> क्योंकि परमेश्वर अपनी सम्पूर्णता के साथ सदैव उसी में निवास करता है।

10

καὶ	ἐστὲ	ἐν	αὐτῷ	πεπληρωμένοι,	ὅς	ἐστιν	ἡ	κεφαλὴ	πάσης	ἀρχῆς
और	तुम-हो	मेइन	उस-मेइन	भरपुर	जो	है	-हो	सिर	सब	शअसकोन
G2532	G1510	G1722	G0846	G4137	G3739	G1510	G3588	G2776	G3956	G0746

καὶ	ἐξουσίας,
और	अधिकअरियोन
G2532	G1849

> और उसी में स्थित होकर तुम परिपूर्ण बने हो। वह हर शासक और अधिकारी का शिरोमणि है।

11

ἐν	ᾧ	καὶ	περιετμήθητε	περιτομῇ	ἀχειροποιήτῳ,	ἐν	τῇ	ἀπεκδύσει
मेइन	जिस-मेइन	भि	तुम-खतन-किये-गये	खतन	हअथोन-से-न-बनि	मेइन	–के	उतअरने
G1722	G3739	G2532	G4059	G4061	G0886	G1722	G3588	G0555

τοῦ	σώματος	τῆς	σαρκός,	ἐν	τῇ	περιτομῇ	τοῦ	Χριστοῦ;
–के	शरेएर	–के	मअनस	मेइन	–के	खतन	–के	खरिस्तोस
G3588	G4983	G3588	G4561	G1722	G3588	G4061	G3588	G5547

> तुम्हारा ख़तना भी उसी में हुआ है। यह ख़तना मनुष्य के हाथों से सम्पन्न नहीं हुआ, बल्कि यह ख़तना जब तुम्हें तुम्हारी पापपूर्ण मानव प्रकृति के प्रभाव से छुटकारा दिला दिया गया था तब मसीह के द्वारा सम्पन्न हुआ।

12

συνταφέντες	αὐτῷ	ἐν	τῷ	βαπτισμῷ,	ἐν	ᾧ	καὶ	συνηγέρθητε,	διὰ
गअधे-गये	उस्के-सथ	मेइन	–मेइन	बप्तिस्म	मेइन	जिस-मेइन	भि	तुम-उथअये-गये	के-दवर
G4916	G0846	G1722	G3588	G0909	G1722	G3739	G2532	G4891	G1223

τῆς	πίστεως	τῆς	ἐνεργείας	τοῦ	Θεοῦ,	τοῦ	ἐγείραντος	αὐτὸν	ἐκ	νεκρῶν.
–के	विशवस	–के	शक्ति	–के	परमेशवर	–ने	उथय	उसे	से	म्रितेन
G3588	G4102	G3588	G1753	G3588	G2316	G3588	G1453	G0846	G1537	G3498

> यह इसलिए हुआ कि जब तुम्हें बपतिस्मा में उसके साथ गाड़ दिया गया तो जिस परमेश्वर ने उसे मरे हुओं के बीच से जिला दिया था, उस परमेश्वर के कार्य में तुम्हारे विश्वास के कारण, उसी के साथ तुम्हें भी पुनःजीवित कर दिया गया।

13

καὶ	ὑμᾶς,	νεκροὺς	ὄντας,	‹ἐν›	τοῖς	παραπτώμασιν	καὶ	τῇ	ἀκροβυστίᾳ
और	तुमहेइन	म्रित	होते-हुए	मेइन	–मेइन	अप्रधोन	और	–मेइन	अखतनेपन
G2532	G4771	G3498	G1510	G1722	G3588	G3900	G2532	G3588	G0203

τῆς	σαρκὸς	ὑμῶν,	συνεζωοποίησεν	ὑμᾶς	σὺν	αὐτῷ,	χαρισάμενος	ἡμῖν	πάντα
–के	मअनस	तुमहरे	जेएवन-दिय	तुमहेइन	के-सथ	उस्के	कशम-करके	हमेइन	सब
G3588	G4561	G4771	G4806	G4771	G4862	G0846	G5483	G1473	G3956

τὰ	παραπτώματα;
–को	अप्रधोन
G3588	G3900

> अपने पापों और अपने ख़तना रहित शरीर के कारण तुम मरे हुए थे किन्तु तुम्हें परमेश्वर ने मसीह के साथ-साथ जीवन प्रदान किया तथा हमारे सब पापों को मुक्त रूप से क्षमा कर दिया।

14

ἐξαλείψας	τὸ	καθ’	ἡμῶν	χειρόγραφον	τοῖς	δόγμασιν,	ὃ	ἦν	ὑπεναντίον
मितकर	–को	के-विरुदध	हमरे	हस्तलेख	–मेइन	नियमोन	जो	थ	विरोधि
G1813	G3588	G2596	G1473	G5498	G3588	G1378	G3739	G1510	G5227

ἡμῖν;	καὶ	αὐτὸ	ἦρκεν	ἐκ	τοῦ	μέσου,	προσηλώσας	αὐτὸ	τῷ	σταυρῷ;
हमरे	और	उसे	हत-दिय	से	–के	बेएच	थोक-कर	उसे	–मेइन	क्रुस
G1473	G2532	G0846	G0142	G1537	G3588	G3319	G4338	G0846	G3588	G4716

> परमेश्वर ने उस अभिलेख को हमारे बीच में से हटा दिया जिसमें उन विधियों का उल्लेख किया गया था जो हमारे प्रतिकूल और हमारे विरुद्ध था। उसने उसे कीलों से क्रूस पर जड़कर मिटा दिया है।

15

ἀπεκδυσάμενος	τὰς	ἀρχὰς	καὶ	τὰς	ἐξουσίας,	ἐδειγμάτισεν	ἐν	παρρησίᾳ,
उतअर-कर	–को	शअसकोन	और	–को	अधिकअरियोन	दिखअय	मेइन	खुले-अअम
G0554	G3588	G0746	G2532	G3588	G1849	G1165	G1722	G3954

θριαμβεύσας	αὐτοὺς	ἐν	αὐτῷ.
विजय-प्रदरशन-करके	उनहे	मेइन	उस-मेइन
G2358	G0846	G1722	G0846

> परमेश्वर ने क्रूस के द्वारा आध्यात्मिक शासकों और अधिकारियों को साधन विहीन कर दिया और अपने विजय अभियान में बंदियों के रूप में अपने पीछे-पीछे चलाया।

16

Μὴ	οὖν	τις	ὑμᾶς	κρινέτω --	ἐν	βρώσει,	καὶ	ἐν	πόσει,	ἢ	ἐν
न	इस्लिये	कोइ	तुमहेइन	न्यअय-करे	मेइन	खने	और	मेइन	पेएने	य	मेइन
G3361	G3767	G5100	G4771	G2919	G1722	G1035	G2532	G1722	G4213	G2228	G1722

μέρει	ἑορτῆς,	ἢ	νεομηνίας,	ἢ	σαββάτων,
भअग	त्योहअर	य	नये-चअन्द	य	सब्बतोन
G3313	G1859	G2228	G3561	G2228	G4521

> इसलिए खाने पीने की वस्तुओं अथवा पर्वो, नये चाँद के पर्वों, या सब्त के दिनों को लेकर कोई तुम्हारी आलोचना न करे।

17

ἅ	ἐστιν	σκιὰ	τῶν	μελλόντων;	τὸ	δὲ	σῶμα	τοῦ	Χριστοῦ.
जो	हैन	छय	–के	अअने-वलोन	–हो	पर	शरेएर	–क	खरिस्तोस
G3739	G1510	G4639	G3588	G3195	G3588	G1161	G4983	G3588	G5547

> ये तो, जो बातें आने वाली हैं, उनकी छाया है। किन्तु इस छाया की वास्तविक काया तो मसीह की ही है।

18

μηδεὶς	ὑμᾶς	καταβραβευέτω,	θέλων	ἐν	ταπεινοφροσύνῃ,	καὶ	θρησκείᾳ	τῶν
कोइ-न	तुमहेइन	व्यरथ-थहअये	चअहत-हुअ	मेइन	दिखवति-नम्रत	और	उपसन	–के
G3367	G4771	G2603	G2309	G1722	G5012	G2532	G2356	G3588

ἀγγέλων,	ἃ	ἑόρακεν	ἐμβατεύων,	εἰκῇ	φυσιούμενος	ὑπὸ	τοῦ	νοὸς	τῆς
सवरगदुतोन	जो	उस्ने-देख	प्रविशत-होत-हुअ	व्यरथ	फोओलअ-हुअ	के-दवर	–के	मन्न	–के
G0032	G3739	G3708	G1687	G1500	G5448	G5259	G3588	G3563	G3588

σαρκὸς	αὐτοῦ,
मअनस	उस्के
G4561	G0846

> कोई व्यक्ति जो अपने आप को प्रताड़ित करने के कर्मो या स्वर्गदूतों की उपासना के कामों में लगा हुआ हो, उसे तुम्हें तुम्हारे प्रतिफल को पाने में बाधक नहीं बनने देना चाहिए। ऐसा व्यक्ति सदा ही उन दिव्य दर्शनों की डींगे मारता रहता है जिन्हें उसने देखा है और अपने दुनियावी सोच की वजह से झूठे अभिमान से भरा रहता है।

19

καὶ	οὐ	κρατῶν	τὴν	Κεφαλήν,	ἐξ	οὗ	πᾶν	τὸ	σῶμα,	διὰ	τῶν
और	नहिन	पकधे-हुए	–को	सिर	से	जिस-से	सब	–हो	शरेएर	के-दवर	–के
G2532	G3756	G2902	G3588	G2776	G1537	G3739	G3956	G3588	G4983	G1223	G3588

ἁφῶν	καὶ	συνδέσμων	ἐπιχορηγούμενον	καὶ	συμβιβαζόμενον,	αὔξει	τὴν	αὔξησιν
जोधोन	और	बनधोन	दिय-जअत-हुअ	और	जुधत-हुअ	बधत-है	–को	व्रिदधि
G0860	G2532	G4886	G2023	G2532	G4822	G0837	G3588	G0838

τοῦ	Θεοῦ.
–के	परमेशवर
G3588	G2316

> वह अपने आपको मसीह के अधीन नहीं रखता जो प्रमुख है जो जोड़ों और नसों से समर्थित होकर सारी देह का उपकार करता है, और जिससे आध्यात्मिक विकास का अनुभव होता है।

20	Εἰ	ἀπεθάνετε	σὺν	Χριστῷ	ἀπὸ	τῶν	στοιχείων	τοῦ	κόσμου,	τί	ὡς
	यदि	तुम-मर-गये	के-सथ	खरिस्तोस	से	–के	तत्वोन	–के	सनसर	क्योन	जैस
	G1487	G0599	G4862	G5547	G0575	G3588	G4747	G3588	G2889	G5101	G5613

ζῶντες,	ἐν	κόσμῳ	δογματίζεσθε?
जेएते-हुए	मेइन	सनसर	तुम-अधेएश-रखते-हो
G2198	G1722	G2889	G1379

> क्योंकि तुम मसीह के साथ मर चुके हो और तुम्हें संसार की बुनियादी शिक्षाओं से छुटकारा दिलाया जा चुका है। तो इस तरह का आचरण क्यों करते हो जैसे तुम इस दुनिया के हो और ऐसे नियमों का पालन करते हो जैसे:

21	Μὴ	ἅψῃ!	μηδὲ	γεύσῃ!	μηδὲ	θίγῃς!
	न	छुयो	न	चखो	न	स्परश-करो
	G3361	G0680	G3366	G1089	G3366	G2345

> "इसे हाथ मत लगाओ," "इसे चखो मत" या "इसे छुओ मत?"

22	ἅ	ἐστιν	πάντα	εἰς	φθορὰν	τῇ	ἀποχρήσει,	κατὰ	τὰ	ἐντάλματα	καὶ
	जो	हैन	सब	के-लिये	विनश	–मेइन	उपभोग	के-अनुसअर	–को	अअदेशोन	और
	G3739	G1510	G3956	G1519	G5356	G3588	G0671	G2596	G3588	G1778	G2532

διδασκαλίας	τῶν	ἀνθρώπων,
शिकशओन	–के	मनुश्योन
G1319	G3588	G0444

> ये सब वस्तुएँ तो काम में आते-आते नष्ट हो जाने के लिये हैं। ऐसे आचार व्यवहारों की अधीनता स्वीकार करके तो तुम मनुष्य के बनाये आचार व्यवहारों और शिक्षाओं का ही अनुसरण कर रहे हो।

23	ἅτινά	ἐστιν	λόγον	μὲν	ἔχοντα	σοφίας,	ἐν	ἐθελοθρησκίᾳ	καὶ
	जो-कुछ	है	वचन	तोह	रखते-हुए	बुदधि	मेइन	मन-गधन्त-धरम	और
	G3748	G1510	G3056	G3303	G2192	G4678	G1722	G1479	G2532

ταπεινοφροσύνῃ	καὶ	ἀφειδίᾳ	σώματος,	οὐκ	ἐν	τιμῇ	τινι,	πρὸς	πλησμονὴν
दिखवति-नम्रत	और	कथिन्त	शरेएर	नहिन	मेइन	मअन	किसि	के-लिये	त्रिप्ति
G5012	G2532	G0857	G4983	G3756	G1722	G5092	G5100	G4314	G4140

τῆς	σαρκός.
–के	मअनस
G3588	G4561

> मनमानी उपासना, अपने शरीर को प्रताड़ित करने और अपनी काया को कष्ट देने से सम्बन्धित ये नियम बुद्धि पर आधारित प्रतीत होते हैं पर वास्तव में इन मूल्यों का कोई नियम नहीं है। ये नियम तो वास्तव में लोगों को उनकी पापपूर्ण मानव प्रकृति में लगा डालते हैं।